ज्ञानशाला के बच्चों ने दी रोचक प्रस्तुति

सफलता के लिए जरूरी है धैर्य : आचार्य महाश्रमण

सरदारशहर 4 नवम्बर, 2010

आचार्य महाश्रमण ने कहा कि सफलता के लिए धैर्य जरूरी है। धैर्य के अभाव में ही कलह, मारपीट होती है। ज्ञानशाला में पढ़ने वाले बालकों में धैर्य का विकास होना चाहिए। बालकों में संस्कार निर्माण करना बहुत बड़ा कार्य है। इसमें श्रम नियोजित करने वाले बहुत महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं।

उक्त विचार उन्होंने स्थानीय ज्ञानशाला के वार्षिकोत्सव पर श्रीसमवसरण में आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि सरदारशहर की ज्ञानशाला विकास करती रहे इस ओर अभिभावक, तेरापंथी सभा के कार्यकर्त्ता, ज्ञानशाला के प्रशिक्षक, कार्यकर्ता सभी ध्यान दें। इसमें बालकों की संज़्या बढ़ने के साथ क्वालिटी भी बढ़े यह जरूरी है। उन्होंने कहा कि बालक-बालिकाओं का लज़्बा भविष्य है। समाज, देश और संघ का भविष्य अच्छा बनेगा जब बाल पीढ़ी पर ध्यान दिया जायेगा। बालकों के भीतर सदाचार संस्कार और तोल-मोल कर बोलने की प्रवृत्ति पैदा हो इस पर गौर करने की जरूरत है।

आचार्य महाश्रमण ने दिवाली पर्व का उल्लेख करते हुए काह कि यह पर्व भगवान राम और भगवान महावीर से जुड़ा हुआ है। इस पर्व को प्रदुषण मुक्त रखा जाना चाहिए। पटाखों से कितना पर्यावरण प्रदुषित होता है। इससे जितना बचा जा सके, उतना अच्छा है। उन्होंने कहा कि दिवाली के दिन गधैयाजी के नौहरे में आए हैं। यहां पर आचार्यों, साधु संतों का लज़्बे समय से प्रवास होता रहा है। इस स्थान से मेरे भी अनेक प्रसंग जुड़े हैं। यहां पर मेरी दीक्षा हुई है, प्रथम उपदेश यहीं दिया है।

ज्ञानशाला के बच्चों के गीत से प्रारंभ हुए कार्यक्रम में संपतराम सुराणा, तेरापंथ सभा के अध्यक्ष अशोक नाहटा, श्रीमती पुष्पा मिनी ने विचार रखे। पायल चिण्डालिया के नेतृत्व में बालक-बालिकाओं ने सहनशीलता पर लघु नाटिका की प्रस्तुति दी। छोटी बालिका कशिश बरड़िया ने कविता प्रस्तुत कर सबको हर्ष विभोर कर दिया। गुंजन कुण्डलिया ने हाथ से बनाई आचार्य महाप्रज्ञ की तस्वीर आचार्य महाश्रमण को समर्पित की।

इस अवसर पर ज्ञानशाला के प्रायोजक बिमल नाहटा को स्थानीय सभा के अध्यक्ष अशोक नाहटा, मंत्री करणीदान चिण्डालिया ने मोमेंटो भेंट कर सज़्मान किया।

प्रायोजक बिमल नाहटा ने ज्ञानशाला की प्रशिक्षिकाओं, साधु-संतों के रास्ते की सेवा करने वाली स्थानीय तेरापंथ महिला मण्डल को मोंमेंटो भेंट कर सज़्मान किया। कार्यक्रम का संचालन माया जज़्मड़ ने किया।